CPL–01

June – Examination 2022

Certificate in Prakrit Language Examination

प्राकृत भाषा में प्रमाण-पत्र

Paper : CPL-01

प्राकृत साहित्य का इतिहास

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **5×4=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

1. (i) कृदन्त एवं तद्धित में क्या अन्तर है ?

   (ii) 'गउडवहो' ग्रन्थ में किस राजा की कथा है ?

(iii) मुक्तक किसे कहते हैं ?

(iv) पउमचरियं के मुख्य पात्रों के नाम लिखिए।

(v) वैतालिकों के नाम लिखिए।

(vi) सट्टक किसे कहते हैं ?

(vii) वसुदेवहिण्डी का क्या अर्थ है ?

(viii) जैन आगमों पर लिखे गये **पाँच** प्रकार के व्याख्या साहित्य के नाम लिखिए।

(ix) सन्मतिप्रकरण में किस जैन सिद्धान्त की स्थापना की गयी है ?

(x) अंगविज्जा में कुल कितने अध्याय हैं ?

खण्ड—ब **4×20=80**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

2. कर्पूरमञ्जरी ग्रन्थ की विशेषता तथा उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

3. अर्धमागधी प्राकृत के संज्ञा विभक्ति पदों का विवेचन कीजिए।

4. पैशाची प्राकृत के नामकरण एवं कृदन्त रूपों का वर्णन कीजिए।

5. संस्कृत नाटकों में प्राकृत के प्रयोग पर निबन्ध लिखिए।

6. प्राकृत कथा साहित्य में वसुदेवहिण्डी के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

7. वर्तमान समय में आगम साहित्य की उपयोगिता की समीक्षा कीजिए।

8. कम्पयडि ग्रन्थ में प्रतिपादित दार्शनिक तत्त्वों का विवेचन कीजिए।

9. पउमचरियं महाकाव्य की भाषा-शैली का वर्णन कीजिए।